(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) उन विनिर्माताओं के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है जो 'ज्वारिश आंवला' औषधि के उस लॉट की सप्लाई के लिए जिम्मेदार है जिसमें हाल ही में रेत तथा पत्थर के टुकड़े पाए गए थे ; और

(घ) सरकार अच्छे किस्म की औषधियों की नियमित सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी. के. तारादेवी सिद्धार्थ) : (क) से (घ) यूनानी औषधियां रोगियों को प्रायः नियमित आधार पर प्रदान की जाती है। आपूर्ति में देरी होने की स्थिति में स्थानीय खरीद करके औषधियां उपलब्ध करा दी जाती हैं।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के किसी लाभार्थी से इस बारे में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

अच्छी गुणवत्ता वाली औषधियों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए औषधियों का यूनानी चिकित्सकों की समिति द्वारा पूर्व-परीक्षण किया जाता है।

Shortage of Anti-Rabies injection in M.P.

4432. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is an acute shortage of anti-rabies injections in most of the hospitals in Madhya Pradesh particularly in Maharani hospital, Jagdalpur which has endangered the lives of many people who are bitten by Stray dogs in the State; and

(b) if so, what action Government have taken to augment the supply of anti-rabies injections in Madhya Pradesh?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) and (b) Supply of medicines in the State Government hospitals is the concern of the respective State and local Health authorities. Anti-rabies injections are also procured by the concerned State Government directly. The State Government of Madhya Pradesh has not so far reported any shortage of anti-rabies injections in their hospitals and has not sought assistance.

एक ओर स्तनपान को बढ़ावा दूसरी ओर "बोतल" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार

4433. **श्री सन्य प्रकाश मालवीय :**
श्री महेन्द्र सिंह लाठर :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 4 अगस्त, 1992 के "हिन्दुस्तान" में "एक ओर स्तनपान को बढ़ावा, दूसरी ओर बोतल लाने के निदेश" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें यह कहा गया है कि इस संदर्भ में सरकारी अस्पताल स्वयं ही सरकारी नीतियों की अवमानना करते हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि दिल्ली नगर निगम के लाजपत नगर स्थित अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती की गई एक महिला मरीज से उसके नवजात शिशु के लिए न केवल बेबी पाउडर तथा बोतल लाने के लिए कहा गया बल्कि पाउडर और बोतल किस कम्पनी का हो उसे यह भी सुझाया गया ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार सरकारी अस्पतालों में की जा रही ऐसी

अनुचित गतिविधियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही करने का विचार रखती है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी. के. तारादेवी सिद्धार्थ) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) लाजपत नगर स्थित दिल्ली नगर निगम अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती किए गए रोगियों को प्रसव के पश्चात नवजात बच्चे एवं माता के लिए अपेक्षित वस्तुओं की एक सूची दी जाती है। इन वस्तुओं की सूची वाले ये कार्ड कुछेक फार्मेस्यूटिक कंपनियों द्वारा व्यावसायिक शिष्टाचार के टोकन के रूप में अस्पतालों को भी सप्लाई किए जाते हैं। दिल्ली नगर निगम का किसी कंपनी को लाभ देने का कोई इरादा नहीं है। अस्पताल के डाक्टर हमेशा स्तनपान की सलाह देते हैं एवं उसके लिए उत्साहित करते हैं। तथापि, उपायों के ब्रांड नामों को दर्शाने वाले कार्डों के इस्तेमाल को समाप्त करने के लिए आदेश जारी किए गए हैं।

(घ) और (ङ) ये प्रश्न नहीं उठते।

Sending of Students to Erstwhile U.S.S.R.

4434. SHRI RANJAN PRASAD YADAV:

SHRI VENOD SHARMA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that C.B.I. have recently busted a racket of private foundations engaged in illegally sending students to the erstwhile U.S.S.R.;

(b) whether it is also a fact that Indo-Soviet Medical Education Care and Research Foundation floated by some former office bearers of Medical Council of India and some others have collected crores of rupees from students sent to erstwhile U.S.S.R.; and

(c) if so, the details thereof and the action proposed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) Central Bureau of Investigation has reported that some private foundations have been sending students to the erstwhile U.S.S.R. unauthorisedly.

(b) and (c) The allegations of receiving pecuniary benefits have not been established. However, Medical Council of India, have set up a Sub-Committee to take suitable action against its Ex-Secretary, for his alleged misconduct.

Drugs Manufactured by Local Companies

4435. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that most of the drugs procured for the CGHS beneficiaries are manufactured by the local companies situated in NOIDA and around Delhi and their drugs are sub-standard;

(b) if so, what are the reasons for which drugs manufactured by the reputed companies are not procured;

(c) what measures Government propose to take to ensure that quality of such drugs is properly tested before these are procured; and

(d) whether Government also propose that in future all drugs meant for CGHS beneficiaries are procured only from the reputed companies?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) No, Sir. The Drugs are procured by the Medical Store Depot under the Director General of Health Services.

(b) Question does not arise.

(c) and (d) Drug supplies are received through the Medical Store Depot against an annual indent. The Drugs are 100 per cent pre-tested for being of standard quality before they are accepted.